भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में जयप्रकाश नारायण की भूमिका

शोभा कुमारी

जयप्रकाश नारायण प्रारंभ से ही एक जुझारू एवं निर्भिक व्यक्तित्व वाले देशभक्त रहे हैं। वे गांधीजी के परम भक्त भी थे। हमारे देश के क्रांतिकारी समाजवादी नेता, महान नेतृत्वकर्ता जयप्रकाश नारायण ने अहम भूमिका निभाई। उनका अदम्य साहस, निर्भिक एवं जुझारू देश–प्रेम की भावना ने उन्हें भारत छोड़ो आंदोलन के नायक के रूप में स्थापित किया।

क्रप्स मिशन के विफलता के बाद गांधीजी ने ब्रिटिश सरकार के शासन के खिलाफ अपना तीसरा बड़ा आंदोलन खड़ा करने का निर्णय ले लिया था जिसमें उन्होंने देश की पूरी जनता से अपील की कि वे अपनी अंतीम सांस तक इस क्रांति में अपना योगदान प्रदान करे। जिस प्रतिकूल परिस्थिति में यह आंदोलन शुरू किया गया वैसी परिस्थितियां अब तक के किसी भी राष्ट्रीय आंदोलन में नहीं देखी गई थी। इन्हीं परिस्थितियों के बीच हमारे देश के क्रांतिकारी समाजवादी नेता, महान नेतृत्वकर्ता जयप्रकाश नारायण ने अहम भूमिका निभाई। उनका अदम्य साहस, निर्भिक एवं जुझारू देश–प्रेम की भावना ने उन्हें भारत छोड़ो आंदोलन के नायक के रूप में स्थापित किया।